हिन्दुपुर (आन्ध्र प्रदेश) में 10 - 11 जनवरी, 2009 के दिन प्रशासकों, कार्यपालकों एवं प्रबन्धकों के लिए आयोजित ''नया परिवर्तन के लिए प्रशासन'' - "Administration for a New Change" विषय पर सम्मेलन का संक्षिप्त समाचार

Justice V.Eshwaraiah Judge, High Court, Hyderabad

BK Mahendra Chairperson Administrators' Service Wing

प्रशासक सेवा प्रभाग तथा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, हिन्दुपुर (आन्ध्र प्रदेश) सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित प्रशासकों, कार्यपालकों एवं प्रबन्धकों के लिए **''नया परिवर्तन के लिए प्रशासन'' - "Administration for a New Change"** विषय पर एक सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में लगभग 300 प्रशासनिक अधिकारीगण ने भाग लिया। इसका संक्षिप्त
है।

पत्रकार गोष्ठी: इस सम
सन्दर्भ में 10 जनवरी, 2
गोष्ठी रखी गई। इस गो
प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष

भ्राता महेन्द्र जी ने सम्मेलन का उद्देश्य दर्शाते हुए कहा कि पत्रकारों को कलम की शक्ति से प्रशासन क्षेत्र तथा वैश्विक स्तर पर भ्रातृभाव, चारित्र और नैतिकता का प्रचार-प्रसार करके सामाजिक नया परिवर्तन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का योगदान अवश्य देना चाहिए। प्रभाग के आबू पर्वत पर स्थित मुख्यालय संयोजक **ब्रह्माकुमार हरीश भाई जी** ने ब्रह्माकुमारीज़

BK Kuldeep
Director
Shanti Sarovar
Hyderabad

BK Ambika
Sub-zone Incharge
Brahma Kumaris
Banglore VV
Puram

BK Harish
HQs.Co-ordinator
Admn Wing
Mount Abu

Br.Praveen Kumar,
IAS
Sub-Collector
Pejukonda

संस्थान तथा प्रभाग की गतिविधियां बताई। **ब्रह्माकुमारी सुगंधा बहन,** हिन्दुपुर, ब्रह्माकुमारी वीणा बहन, सीरसी, कर्नाटक, **ब्रह्माकुमार सुरेन्द्र,** बैंगलोर, **ब्रह्माकुमार शैलेष,** गोधरा तथा **ब्रह्माकुमार रोहित भाई,** वलसाड ने भी सम्बोधित किया। इस गोष्ठी में उपस्थित पत्रकारों के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर भ्राता महेन्द्र जी ने दिया। इससे पत्रकार सन्तुष्ट भी हुए। और सम्मेलन के समाचार को प्रसिद्ध समाचार पत्रों में प्रकाशित भी किया।

स्वागत सत्र: इस सत्र में **भ्राता पी. रंगानायाकुलु,** एम.एल.ए. हिन्दुपुर ने स्वागत प्रवचन में कहा कि दुनिया में आध्यात्मिकता द्वारा ही परिवर्तन होने वाला है। यह सम्मेलन आध्यात्मिकता की प्रेरणा देने वाला है। **ब्रह्माकुमार सुरेन्द्र,** व्यवस्थापक सदस्य, प्रशासक सेवा प्रभाग, बैंगलोर ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान् एवं प्रभाग की जानकारी देते हुए कहा कि मानव जीवन का श्रेष्ठ परिवर्तन करने के लिए यह संस्थाएं वैचारिक क्रांति का कार्य कर रही है।

ब्रह्माकुमार हरीश भाई जी, मुख्यालय संयोजक, प्रशासक सेवा प्रभाग, आबू पर्वत ने सम्मेलन के सन्दर्भ में बताते हुए कहा कि, श्रेष्ठ प्रशासन वाली नई दुनिया में श्रेष्ठ मूल्यों की प्रभाग होता है, मन की सच्ची शांति होती है। मानव-आत्मायें दिव्यता से सम्पन्न होती है ... ऐसी दुनिया परम प्रशासक परमात्मा पुन: स्थापन कर रहा है, जो स्व-परिवर्तन से विश्व का परिवर्तन हो रहा है। यह संदेश देने हेतु सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

राजयोगी ब्रह्माकुमार महेन्द्र जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रशासक सेवा प्रभाग, भोपाल (म.प्र.) ने मेथेमेटिक्स एण्ड स्प्ररीच्युअल सायंस एक्जीबीशन का उद्घाटन करते हुए कहा कि आज का समय चिंता व तनावपूर्ण है, प्रशासक वर्ग भी यह अनुभव कर रहा है। इससे मुक्त होने के लिए बीती हुई बातों का चिंतन नहीं करना है, जो हुआ है, हो रहा है और होने वाला है यह कल्याणकारी ही होगा - यह समझ से मन का संतुलन रखना है, राजयोग की तपस्या करनी है, इससे सर्व समस्याओं का समाधान होगा। इस सत्र का सुंदर संचालन ब्रह्माकुमारी कमला, राजयोग शिक्षिका, हिंदुपुर ने किया।

उद्घाटन सत्र: सम्माननीय **न्यायमूर्ति भ्राता वी.ईश्वरैया,** हाई कोर्ट, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद ने दीप प्रज्ज्वलन द्वारा सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि व्यक्ति विकास से ही सामाजिक विकास होगा। प्रशासक प्रजा का सच्चा सेवक है, इसलिए उन्हों का हर निर्णय कल्याणकारी होना चाहिए। आज समाज में विकारों से अशांति फलती जा रही है। महात्मा गांधीजी ने सत्य और अहिंसा से स्वराज्य प्राप्त कराया। स्वयं पर मूल्यों से शासन करने वाला ही दूसरों पर प्रशासन कर सकेगा।

सम्मेलन के अध्यक्ष **राजयोगी ब्रह्माकुमार महेन्द्र जी,** राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रशासक सेवा प्रभाग, भोपाल (म.प्र.) ने अध्यक्षीय प्रवचन में कहा कि, प्रजातंत्र में पारदर्शी एवं श्रेष्ठ प्रशासन की आवश्यकता है। ऐसा प्रशासन वो कर सकता है, जिन्होंने अपने मन, कर्मेन्द्रियाँ और शरीर पर शासन कर सकते है। अहंकारमुक्त और क्रोधमुक्त व्यक्ति की प्रिय शासन कर सकता है और वह प्रजा की दुआऐं भी प्राप्त कर सकता है। मूल्यों की प्रस्थापना से ही मूल्य आधारित भारत व विश्व का निर्माण होगा।

Br. Thippeswami
M.L.C.
Hindupur
(AP)

B.K. Sugandha
Exec. Member
Admn Wing
Hindupur (AP)

B.K. Ramkrishna
Exec. Member
Youth Wing
Hyderabad (AP)

B.K. Veena
Exec. Member
Admn Wing
Sirsi (Karnataka)

ब्रह्माकुमार हरीश भाई जी, मुख्यालय संयोजक, प्रशासक सेवा प्रभाग, आबू पर्वत ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान् तथा प्रशासक सेवा प्रभाग की प्रवृत्तियों को बताते हुए कहा कि यह विश्व-व्यापी संस्था ईश्वरीय ज्ञान, राजयोग द्वारा सकारात्मक परिवर्तन द्वारा लाखों मानव-आत्माओं का परिवर्तन कर रही है। प्रशासक सेवा प्रभाग भी प्रशासन क्षेत्र में आध्यात्मिक जागृति लाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

ब्रह्माकुमारी सुगंधा बहन, मुख्य संचालिका, ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र, हिन्दुपुर ने स्वागत प्रवचन में कहा कि, विश्व-परिवर्तन के लिए प्रशासन में भी परिवर्तन करना जरूरी है। इसलिए प्रशासन क्षेत्र से जुड़े हुए व्यक्तियों में भी सकारात्मक परिवर्तन, विश्व-बंधुत्व की भावना, आध्यात्मिक शक्तियों तथा जीवन मूल्यों का विकास भी करना होगा।

सम्माननीय मेहमान **भ्राता प्रविण कुमार,** आई.ए.एस. सब-कलेक्टर, पेजुकोन्डा ने प्रभावशाली वक्तव्य में कहा कि आज प्रशासन तंत्र में मूल्यों और नैतिकता की कमी के कारण अनंकानेक समस्याओं का सामना करना पडता है। इसलिए प्रशासक चाहते हुए भी प्रजा की आकांक्षाओं की संतुष्टी नहीं कर सकता है। अच्छा प्रशासक बनने के लिए मानवीय मूल्यों को अपनाना होगा, इसके लिए अपने आपको सशक्त बनाना होगा।

सम्माननीय मेहमान **भ्राता थिप्पेस्वामी,** एम.एल.सी. हिन्दुपुर ने प्रेरणा देते हुए कहा कि दुनिया में परिवर्तन हेतु ब्रह्माकुमारीज़ संस्था नैतिक मूल्यों के विकास के कार्य कर रही है, यह अभिनंदनीय है। ऐसे कार्यक्रम सभी वर्गों के लिए आयोजित करना चाहिए।

ब्रह्माकुमारी कुलदीप बहन, निदेशिका, शांति सरोवर, ब्रह्माकुमारीज़, हैदराबाद ने आशिर्वचन देते हुए कहा कि चरित्रवान व्यक्ति ही अच्छा प्रशासन कर सकता है। प्रशासक को सर्वप्रिय और न्यायप्रिय प्रशासन करके दुआएं प्राप्त करना है। मन, बुद्धि, संस्कार और शरीर पर प्रशासन करने की कला दुनिया का सबसे बड़ा प्रशासक - परमात्मा सीखाता है।

ब्रह्माकुमारी अम्बिका बहन, उपक्षेत्रिय संचालिका, बैंगलोर ने राजयोग चिंतन का अभ्यास कराते हुए कहा कि राजयोग से ही सम्पूर्ण जीवन पद्धति बना सकते है। राजयोग चिंतन - अंतरजगत की यात्रा से व्यक्ति रोगमुक्त, आध्यात्मिक मूल्यों का संतुलन तथा शक्तियों का विकास कर सकता है।

ब्रह्माकुमार रामकृष्ण, व्यवस्थापक सदस्य, युवा प्रभाग, हैदराबाद ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान एवं प्रभाग की जानकारी देते हुए कहा कि दोनों संस्थाएं स्व-परिवर्तन से विश्व-परिवर्तन का भगीरथ कार्य कर रहा है।

ब्रह्माकुमारी वीणा बहन, व्यवस्थापक सदस्य, प्रशासक सेवा प्रभाग, सीरसी (कर्नाटक) ने इस सत्र का संचालन कुशलतापूर्वक किया।

कार्यशाला सत्र:

'प्रशासन में तनाव प्रबन्धन' तथा 'प्रभागशाली प्रशासन के लिए मूल्य एवं शक्तियाँ' के विषय पर इस सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में **भ्राता पी. चन्द्रशेखर रेड्डी,** डी.एस.पी. पेजुकोन्डा और **भ्राता प्रोफेसर के.शमन्ना,** इन्टरनेशनल कन्सल्टन्ट मैनेजरीयल स्कील्स एण्ड ट्रैनिंग, मैसूर सम्माननीय मेहमान

B.K. Shailesh
Exec. Member
Admn Wing
Godhra
(Gujarat)

Workshop Stage: (L to R): BK Rohit, Valsad, BK Surendra, Bangalore, Br. P. Chandrashekhar Reddy, D.S.P., Pejukonda, Prof. Shamanna, Mysore, BK Shobha, Singrauli (MP), BK Jyoti, Gwalior (M.P.)

B.K. Surendra
Exec. Member
Admn Wing
Bangalore
(Karnataka)

थे। **ब्रह्माकुमार सुरेन्द्र,** व्यवस्थापक प्रशासक सेवा प्रभाग, बैंगलोर और **ब्रह्माकुमार रोहित भाई,** व्यवस्थापक, प्रशासक सेवा प्रभाग, वलसाड मुख्य वक्ता तथा **ब्रह्माकुमारी शोभा बहन,** सिंगरोली (म.प्र.) वक्ता थे। **ब्रह्माकुमारी जुली बहन,** राजयोग शिक्षिका, ग्वालियर (म.प्र.) ने राजयोग का चिंतन कराया था। **ब्रह्माकुमार शैलेष,** कार्यकारी सदस्य, प्रशासक सेवा प्रभाग, गोधरा ने कुशलतापूर्वक सत्र का संचालन किया था। इस सत्र में विद्वान वक्ताओं ने अनुभवी और प्रेरणादायक वक्तव्य दिया था। इसमें से महत्वपूर्ण विचारबिंदु निम्नलिखित है :-

- मानव जीवन में ईच्छाएं, आकांक्षाएं, अहंकारयुक्त टकराव, मोहयुक्त लगाव, बूरे और नकारात्मक विचार आदि तनाव के कारण है। ऐसे विचारों का दुष्प्रभाव शरीर में होर्मोन्स उत्पन्न करने वाली ग्रंथीयों पर पडने से मानसिक/शारीरिक बिमारियाँ होती है। इसलिए व्यक्ति को तनाव से मुक्त होने के लिए रचनात्मक प्रवृत्ति, राजयोग/आध्यात्मिक ज्ञान की शिक्षा,

Workshop Audience of Administrators

भूलों और छोडने की भावना जैसी आध्यात्मिक युक्तियों का उपयोग करना चाहिए।

- तनाव-प्रबन्धन के लिए राजयोग चिंतन सर्वोच्च युक्ति है।
- तनाव को दूर करने व्यक्ति को नकारात्मक दृष्टिकोण को बदलना है और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना है।
- तनाव को पडकार के रूप में स्वीकार आगे बढ़ने का साधन समझकर सफलता प्राप्त करनी है।
- सर्वशक्तिमान परमात्म को तनाव का बोज़ अर्पण करके हला रहने से तनाव की समस्या को सहजता से हल कर सकते है।
- जब व्यक्ति जीवन मूल्य व आध्यात्मिक शक्तियों का विकास निजी जीवन में करने में स्वयं का शासन तथा अपने कार्यक्षेत्र का प्रशासन अच्छी तरह से कर सकता है।
- व्यवहारिक जीवन में दिव्य गुण और राजयोग की शिक्षा से जीवन जीने की कला सीखनी है।
- अपनी कार्यक्षमता की वृद्धि कैसे हिम्मत, गुण, नेतृत्व कला, कार्य करने की रूचि, प्रतिदिन राजयोग के अभ्यास से ही होती है।
- जैसे चीनी को धोलने से मीठास आती है, ऐसे मन, बुद्धि और स्मृति को परमात्मा से जोडसे से दिर्घकालीन खुशी प्राप्त होती है।

समापन सत्र: इस सत्र का विषय था - स्वच्छ और पारदर्शी प्रशासन कैसे किया जाए?

सम्माननीय मेहमान **भ्राता आर. शशीधर**, रिजीयोनल मेनेजर, ए.पी.एस.आर.टी.सी., अनंतपुर ने प्रवचन में कहा कि आज के प्रशासन में स्वच्छता एवं पारदर्शिता जरूरी है। इसके लिए प्रशासकों को जीवन-मूल्यों, विशालता, प्रामाणीकता, उत्तरदायित्व, जिम्मेवारी, आदि जैसी विशेषताओं का विकास करना होगा। स्वच्छ एवं पारदर्शी प्रशासन से ही समाज की बेहतर सेवा हो सकती है।

राजयोगी ब्रह्माकुमार महेन्द्र जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रशासक सेवा प्रभाग, भोपाल ने मुख्य वक्तव्य देते हुए कहा कि, प्रशासन में पवित्रता से स्वच्छता और ईमानदारी से पारदर्शीता लानी है। व्यक्ति में इच्छाएं, जीतनी कम होगी, उतनी पारदर्शिता आयेगी और सादगी, सरलता, आत्म-संतोष जैसे गुण भी चाहिए। साधनों का प्रयोग-उपयोग किजीए, लेकिन लगाव नहीं रखना है। परमपिता परमात्मा ने सीखाया है कि जैसा कर्म मैं करुँगा, मुझे देख दूसरे वैसे कर्म करेंगे। यह ध्यान रखने से प्रशासन में पारदर्शिता आ सकती है।

ब्रह्माकुमार हरीश भाई जी, मुख्यालय संयोजक, प्रशासक सेवा प्रभाग, आबू पर्वत ने सत्र के विषय पर बहुत सुन्दर स्लाईड प्रेजन्टेशन के द्वारा वक्तव्य देते हुए कहा कि सफल प्रशासन के लिए नैतिक, मानवीय मूल्यों तथा आध्यात्मिक शक्तियों का विकास राजयोग और मूल्यलक्षी ज्ञान के अभ्यास हरेक प्रशासक, अधिकारी व कर्मचारियों को करना ही होगा, यही परिवर्तन हमें प्रशासन जगत में करना है।

ब्रह्माकुमारी वीणा, व्यवस्थापक सदस्य, प्रशासक सेवा प्रभाग, सीरसी, कर्नाटक ने राजयोग चिंतन द्वारा आत्म व परमात्म अनुभूति करायी।

भ्राता प्रोफेसर के. शमन्ना, इन्टरनेशनल कन्सल्टंट, मैनेजरीयल स्कील्स एण्ड ट्रेनिंग, मैसुर ने सम्मेलन का बहुत ही सुंदर अनुभव सुनाया।

ब्रह्माकुमारी सुगंधा बहन, संचालिका, ब्रह्माकुमारीज़, हिंदुपुर ने परमात्मा की प्रेरणा द्वारा आयोजित किया गया सम्मेलन की सफलता के लिए आये हुए मेहमानों का, प्रभाग के सदस्यों का तथा भाग लेने वाले प्रतिनिधियों का हार्दिक धन्यवाद किया।

ब्रह्माकुमार रोहित भाई, व्यवस्थापक सदस्य, प्रशासक सेवा प्रभाग, वलसाड ने इस सत्र का सुंदर रीति से संचालन किया।

ओम् शान्ति।